दैनिक भास्कर
सोमवार, 16 नवंबर 2020 नोएडा

रेगिस्तान में प्रकृति के रंगों का निराला मिलन

गीतांजलि सक्सेना

आज देश में जिस तरह तेजी से शहरीकरण हो रहा है, उसमें छोटे गांव और कस्बा की तस्वीर पहले जैसी नहीं रही। हर जगह बस बहुमंजिला इमारतों ने ले ली है। शहर में धीरे-धीरे पार्क और गार्डन भी कम होते जा रहे हैं, क्योंकि उनके रख रखाव और इन्हें संजोये रखने के प्रति हमारा रुझान धूमिल होता जा रहा है। यहां तक कि घरों में भी असली फूलों की जगह सिर्फ टेबल पर सजे गुलदस्तों में रह गई है। हमने पर्यावरण संरक्षण की बुनियादी जरूरतों को भी अनदेखा करते हुए आज पर्यावरण को प्रदूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यही वजह है कि हम गैस चेम्बर जैसे वातावरण में सांस ले रहे हैं। मानव जीवन खतरे में है। हम जानते हैं। ग्लोबल वार्मिंग का खतरा वैसे ही मंडरा रहा है और रही सही कोरोना ने दोहरी मार दे दी। जब जागे तब सवेरा पर अमल करते हुए, प्रण करें कि हम सब पर्यावरण सुरक्षा की जिम्मेदारी लें और बढ़ रहे प्रदूषण को रोकने के प्रति जागरूक बनें। जागरूकता फैलायें ... इसकी सुरक्षा के लिए उठाए गये कदमों में सहयोग देने का कोई भी अवसर नहीं जाने दें। हर सम्भव कोशिश करें और पेड़ पौधे लगाएं। राह में बिछे कांटों में फूलों से सजी मंजिलों को सुशोभित करें। समय की यही जरूरत है। संकल्प करें अपने ईदगिर्द सफाई रखें और धरती हरियाली युक्त सहित रहने योग्य बनायें। पर्यावरण सन्तुलन बनाये रखने का एकमात्र उपाय यही है। यहां उस जगह का जिक्र करना उचित होगा, जो वास्तविक रूप में उसका सच्चा उदाहरण है।

संतरंगी पुष्प बेल लताओं से छलकता यौवन, भीनी-भीनी फूलों की महक से महकता प्रांगण। हवाओं की सरसराहट में पेड़ पौधों पर फुदकती बाग की खामोशी तोड़ती गोरियां उसकी चहचहाहट में प्रकृति के रंगों का निराला मिलन और फूलों से सजा ताजमहल बेमिसाल...

जहां फूलों से बने झरने भी हैं और मानो तो बहती नदियां व फव्वारे भी। यह कोई काल्पनिक पिक्चर नहीं है। यह सिर्फ प्राकृतिक सुन्दरता का वास्तविक आनन्द, एक अद्भुत पैकेज रेगिस्तान की धरती से पर्यावरण सन्तुलन का अनूठा उदाहरण है। दुनिया का सबसे बड़ा नैचुरल फ्लावरों से लेस मिरेकल गार्डन जो दुबई में स्थित है।

दरअसल, दुबई में भी आकाश चूमती बहुमंजिल इमारतों को बनाने की अन्य देशों की तरह होड़ लगी है। इनमें से कई लैंडमार्क पर्यटन स्थल भी हैं। बुर्ज खलीफा के नाम तो अनेकों रिकॉर्ड दर्ज हैं। यहां विश्व स्तर का शहरीकरण अपने आप में एक स्थान रखता है। इन सब के बावजूद आज टूरिजम उद्योग में पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण केन्द्र बने अनेकों पार्क व गार्डन भी हैं, जो दुबई की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। हर साल देश विदेश से पर्यटक इसे देखने यहां आते हैं। दुबई में स्थित मिरेकल गार्डन अपने नाम को पूर्ण सार्थक करता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा नैचुरल फूलों का गार्डन है, जहां आप को फूलों का घर, फूलों की नदी, मेज, कुर्सी, यही नहीं उनके विभिन्न संरचना को फूलों से बना देख सकते हैं।

प्रकृति की छांव में बिताये ये लम्हे एक सुखद अनुभव है।

नैचुरल गार्डन

इस बार भी यह गार्डन 1 नवम्बर से अपने पूरे शबाब में पर्यटकों को लुभाने के लिए तैयार है, जो मई 2021 तक खुला रहेगा।

मिरेकल गार्डन का इतिहास बहुत पुराना नहीं है। इसका उद्घाटन साल 2013 में हुआ था। यह 78000 वर्गमीटर में फैला हुआ है, जहां 18 एकड़ के दायरे में फूल लगाए गए हैं, जहां पर 10 हजार से ज्यादा वैराइटी के करोड़ों फूलों से विभिन्न संरचना को आकार देकर नैचरल फूलों को बेहद खूबसूरती से सजाया गया है। हर साल एक नई थीम व संकल्पना के साथ प्राकृतिक सुन्दरता का विचित्र नजारा आश्चर्य चकित करता है। फूलों से बना ताजमहल का दीदार तो वास्तव में अविश्वसनीय अनुभव है। यहां इस तरह के अनेक स्ट्रक्चर बने हुए हैं, चाहे इन्द्रधनुष के रंगों में फूलों से सजा मोरमहल हो, या फूलों से बहता झरना। इनकी सुन्दरता इस गार्डन में की गई कड़ी मेहनत सही रूप में आपको अचंभित करती है। हर स्ट्रक्चर के आकार को करोड़ों फूलों से लदी लताओं को कृत्रिम शाखाओं के जरिये बेहद खूबसूरत स्वरूप दिया जाता है, इसीलिए यह आम गार्डनों से एकदम अलग है। यहां फूलों को सींचने के लिए हर रोज 200000 गैलन वेस्टवॉटर का इस्तेमाल होता है। हर साल की तरह इस बार भी यह गार्डन 1 नवम्बर से अपने पूरे शबाब में पर्यटकों को लुभाने के लिए तैयार है, जो मई 2021 तक खुला रहेगा। अब यह अपने नौवें सीजन में पहुंच चुका है। दुनिया भर की ट्रैवल डेस्टिनेशन में दुबई का मिरेकल गार्डन सबसे बड़ा नैचुरल फूलों का गार्डन है। अपने नाम कई रिकॉर्ड दर्ज करा चुका है।

इस बार नया क्या है? इस बार अपनी थीम में मिली जुली तस्वीर लेकर आया है, जहां एक ओर 18 मीटर फूलों से बना मिकी माऊस है, तो दूसरी ओर 12 मीटर उंचा दिल हाथ में लिए टैडीबीयर गर्मजोशी से पर्यटकों का स्वागत कर रहा है। इसके अलावा, कई और संरचना मौजूद हैं, जिन्हें गिनीज बुक्स ऑफ रिकॉड्र्स में भी जगह मिली हुई है। यह स्ट्रक्चर दुबई एअर बस 380 विमान का है। इसके अतिरिक्त अनेक जानवरों व पंछियों की छवि को अनेक रूप में दिखाया गया है।

फूलों से सजी नृत्य करती परियों की तस्वीर स्वर्ग से उतरी अप्सरा समान प्रतीत होती है। हैरान मत हो, दुनिया में वाकई प्रकृति के रंगों का यह बेमिसाल दृश्य दुबई के मिरेकल गार्डन में देखा जा सकता है। बटर फलाई गार्डन, जो मिरेकल गार्डन से सटा एक हिस्से में बना हुआ है। इन फूलों पर रंग बिरंगी 15000 प्रजातियों की तितलियों को मंडराते देखना बेहद रोमांचक अनुभव है, यह बच्चों के लिए खास आकर्षण का केन्द्र है। यहां तितलियों की फार्मिंग भी की जाती है। फूलों के बीच सैर प्रेमियों के लिए 400 मीटर का ट्रैक भी है। मनोरंजन के कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। प्रकृति की छांव में बिताये ये लम्हे एक सुखद अनुभव है।

रंग बिरगें फूलों से, प्रकृति में होता है, खूबसूरत समा
मुश्किल है करना बयां, धरती पर स्वर्ग शब्दों में ...

(वरिष्ठ लेखिका और स्तंभकार)